गोगाजी द्वार चले | By Pooja Shrivastava

मैंने देख लिए ना काम आवे घर के
मैं तो मेडी चली रे सजधज के

गोगाजी के मेले का तो चारो और है शोर
गोगाजी की दीवानी को मत समझे कमज़ोर
मेरा मनवा ना यहाँ वहां भटके
मैं तो मेडी चली रे सजधज के

गोरख कुण्ड पे जाकर पहले मैं स्नान करुँगी
बाबा की मेडी पे चन्दन पुड़िया तभी मलूँगी
करू दर्शन मैं पाँव पाँव चल के
मैं तो मेडी चली रे सजधज के

बाबा की मैं छड़ी उठा के आगे आगे जाऊं
करुँगी गोगाजी के दर्शन जयकारे लगाऊं
करू सेवा मैं बाबा की मन भर के
मैं तो मेडी चली रे सजधज के

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a5%8b%e0%a4%97%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%a6%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a5%87-by-pooja-shrivastava/